

 सत्यमेव जयते	<b>राजस्थान राजपत्र</b> <b>विशेषांक</b>	<b>RAJASTHAN GAZETTE</b> <b>Extraordinary</b>
	<b>साधिकार प्रकाशित</b>	<b>Published by Authority</b>
	ज्येष्ठ 17, मंगलवार, शाके 1944-जून 7, 2022 <i>Jyaistha 17, Tuesday, Saka 1944- June 7, 2022</i>	

**भाग-1(ख)**

**महत्वपूर्ण सरकारी आज्ञायें।**

**प्रपत्र-एम**

**वन विभाग**

**विज्ञप्ति**

**जयपुर, मई 23, 2022**

**संख्या प. 2 (1) वन/2022 :-**चूंकि संलग्न अनुसूची में वर्णित वनभूमि एवं बंजर भूमि सरकार की सम्पत्तियां हैं या उनमें सरकार के स्वामित्व अधिकार हैं या उनकी सम्पूर्ण या आंशिक वन उपज पर सरकार का अधिकार है,

और चूंकि ऊपर कथित वन भूमि या बंजर भूमि को राजस्थान वन अधिनियम, 1953 की धारा 29 की उप धारा (1) के अन्तर्गत संरक्षित वन घोषित करने का विचार रखती है।

और चूंकि पूर्वोक्त भूमि पर सरकार और निजी व्यक्तियों के अधिकारों की सीमा एवं स्वरूप अभी तक किसी भी प्रकार के लेखबद्ध नहीं किये गये हैं ;

और चूंकि सरकार यह भी विचार रखती है कि पूर्वोक्त वन भूमि या बंजर भूमि में या उन पर सरकार एवं निजी व्यक्तियों के अधिकारों की सीमा तथा स्वरूप के सम्बन्ध में जाँच किया जाना तथा उन्हें लेखबद्ध किया जाना आवश्यक है, परन्तु चूंकि इन कार्यों के सम्पादन में जितना समय लगेगा कि इस प्रक्रिया के समाप्त होने तक सरकार के अधिकारों को क्षति पहुंचाने की आशंका रहेगी।

अब इसलिए राजस्थान वन अधिनियम 1953 (1953 का एक्ट संख्या 13) की धारा 29 की उप धारा (3) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में सरकार वन बंदोबस्त अधिकारी को पूर्वोक्त वन भूमि या बंजर भूमि में या सरकार एवं निजी व्यक्तियों के अधिकारों की जाँच करके उन्हें लेखबद्ध करने हेतु नियुक्त करती है और ऐसी जाँच, साक्ष्य एवं अभिलेख उस प्रणाली में किया जायेगा जैसा कि उक्त एक्ट की धारा 6,7,8,10,11 (2) 12,13,14,17,18 एवं 19 में प्रवाहित है।

और उक्त एक्ट की धारा 29 की उप धारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में, राजस्थान सरकार उक्त जाँच तथा अभिलेख के विचारार्थ रहते, कथित वन भूमि एवं बंजर भूमि को इस विज्ञप्ति के द्वारा संरक्षित वन (Protected Forest) घोषित करती है, परन्तु इससे किसी व्यक्तियों या वर्ग विशेष के वर्तमान अधिकारों में किसी भी प्रकार की कमी नहीं होगी और न उन पर कोई विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

और अधिनियम की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेत्तर अनुसरण में यह भी घोषणा करती है कि उक्त संरक्षित वन के वृक्ष जो इसके संलग्न द्वितीय अनुसूची में अंकित किये गये हैं, इस अधिनियम के राजपत्र में प्रकाशित की तिथि से आरक्षित हो जाएंगे हैं और पूर्वोक्त तारीख से कथित वन में पत्थर खोदना या चूना या लकड़ी का कोयला जलाया जाना अथवा किसी भी प्रकार की वन उपज का संग्रहण किया जाना या निष्कासन करना या हटाया जाना और उक्त वन में किसी भी भूमि की खुदाई या कृषि हेतु या भवन निर्माण हेतु या मवेशी चराने या अन्य प्रयोजनार्थ वन की सफाई करना या वन भूमि को खंडित किया जाना निषिद्ध करती है।

प्रथम अनुसूची (वन भूमि और बंजर भूमि/

द्वितीय अनुसूची (संरक्षित वृक्ष)

राज्यपाल की आज्ञा से,  
बी. प्रवीण,  
शासन सचिव,  
वन विभाग,  
शासन सचिवालय, जयपुर।

## प्रथम अनुसूची

क्र. सं.	नाम ब्लाक	नाम तहसील	नाम जिला	सीमा	विवरण			
					ग्राम	खसरा नं.	क्षेत्रफल है०	भूमि किस्म
1	बाढ टटवाडा	गंगापुर सिटी	सवाई माधोपुर	उत्तर- कास्त भूमि पूर्व- सीमा ग्राम हीरापुर दक्षिण- सीमा ग्राम नारोली पश्चिम- कास्त भूमि	बाढ टटवाडा	188	0.07	गै.मु.पहाड़
						189	0.05	गै.मु.पहाड़
						192	0.03	गै.मु.पहाड़
						196	3.80	गै.मु.पहाड़
						197	0.02	गै.मु.चाह
						198	24.26	बेहड का चराई
						199	0.24	बेहड का चराई
						200	0.24	बेहड का चराई
						204	3.10	बेहड का चराई
						205	0.29	बेहड का चराई
						206	0.73	बेहड का चराई
						207	1.00	गै.मु.नाला
						210	0.12	बारानी 3
						211	0.83	गै.मु.नाला
						215	0.11	गै.मु.नाला
						216/470	0.09	बारानी 1
						219	0.13	बेहड का चराई
						220	0.13	बेहड का चराई
						221	0.07	बेहड का चराई
						222	0.02	बेहड का चराई
						257	1.94	बेहड का चराई
						258	0.62	गै.मु.पहाड़
						260	4.14	गै.मु.नाला
						331	5.31	बेहड का चराई
						332	0.30	बेहड का चराई
						376	4.48	बेहड का चराई
						418	2.26	बेहड का चराई
						458	1.31	बेहड का चराई
						459	134.28	बेहड का चराई
					योग	29 खसरे	189.97 है०	

(जयराम पाण्डेय)

उप वन संरक्षक

सवाई माधोपुर

**द्वितीय अनुसूची**  
**पेड़ों की सूची**

क्र.सं.	बोटैनिकल नाम	हिन्दी नाम
1	<i>Ailanthus excelsa</i>	अरडू
2	<i>Acacia nilotica</i>	देशी बबूल
3	<i>Ficus bengalensis</i>	बरगद/बड
4	<i>Zizyphus mauritiana</i>	बैर
5	<i>Butea monosperma</i>	ढाक/छीला/पलाश
6	<i>Holoptelea integrifolia</i>	चुरैल/पापडी
7	<i>Anogeissus pendula</i>	धोंक काला/धोंकडा
8	<i>Dichrostrochys cinerea</i>	गोयाखैर
9	<i>Balanites aegyptica</i>	हिगौठ
10	<i>Syzygium cumini</i>	जामुन
11	<i>Tamarux dioca</i>	झाउ
12	<i>Bauhinia racemosa</i>	झींझा/सेंथा
13	<i>Phoenix sylvestris</i>	खजूर
14	<i>Prosopis cineraria</i>	खेजड़ा
15	<i>Acacia senegal</i>	कुमठा
16	<i>Cardio mixa</i>	लिसोडा
17	<i>Azadirachta indica</i>	नीम
18	<i>Stereospermum suaveolens</i>	पडाल/पोडल
19	<i>Salvadora oleoides</i>	पीलू
20	<i>Acacia leucophloea</i>	रौंझ
21	<i>Prosopis juliflora</i>	विलायती बबूल
22	<i>Tephrosia purpurea</i>	धमासा
23	<i>Tribulus terrestris</i>	गोखरू
24	<i>Leptodermis pyrotechnica</i>	खीप
25	<i>Urginea indica</i>	कोलीकांदा
26	<i>Calotropis gigantea</i>	देशी आंकडा
27	<i>Asparagus racemosus</i>	सतावरी

(जयराम पाण्डेय)

उप वन संरक्षक

सवाई माधोपुर

प्रमाण पत्र

वनखण्ड - बाढ टटवाडा

रेंज - गंगापुर सिटी

वनमण्डल - सवाई माधोपुर

- 1 प्रारूप में दर्शाई गई भूमि की प्रकृति राजस्व जमाबंदी में राजकीय वन विभाग जंगलात के नाम से दर्ज हैं। इस भूमि पर वन विभाग द्वारा वानिकीय विकास कार्य करवाये गये हैं तथा यह क्षेत्र वर्तमान में वन विभाग के नाम अमलदरामद है।
- 2 विज्ञप्ति प्रपत्र में उल्लेखित भूमि वन विभाग के अधीन है। प्रस्तावित भूमि में प्रथम दृष्ट्या कोई अतिक्रमण, खनन कार्य नहीं किये हुए हैं।
- 3 प्रस्तावित वन क्षेत्रों में समस्त क्षेत्र पूर्व से ही वन विभाग अधीन है, जिस पर वानिकीय विकास कार्य किये गये हैं एवं भविष्य में किये जाने की संभावना है।
- 4 प्रस्तावित भूमि पर वृक्षों का घनत्व 0.0 से 0.1 तक का है एवं इन क्षेत्रों में मुख्य देशी बबूल, धोंकड़ा प्रजातियों के पेड़ एवं झाड़ियां हैं।
- 5 प्रस्तावित क्षेत्र की समस्त भूमि वन विभाग के अधीन है तथा समीपवर्ती खातेदारी भूमि वन सीमाओं से प्रथक है एवं इसमें प्रस्तावित वन क्षेत्रों के संरक्षण में कोई अवरोध नहीं होगा। विभागाधीन भूमियों का विकास कार्यों में उपयोग हो रहा है।
- 6 प्रस्तावित भूमियों का मानचित्र संलग्न है।
- 7 पूर्व में खसरावार भूमि का मौके पर सुविज्ञ रूप से सीमाज्ञान नहीं होने के कारण अधिसूचना हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत नहीं किये जा सके थे किन्तु अब सीमाज्ञान के पश्चात् नये प्रस्ताव प्रारूप बनाये जाकर प्रेषित किये जा रहे हैं।
- 8 इस वनभूमि का पूर्व में राजपत्र में प्रकाशन नहीं हुआ।

(जयराम पाण्डेय)

उप वन संरक्षक

सवाई माधोपुर

---

राज्य केन्द्रीय मुद्रणालय, जयपुर।